बसाया जायेगा तथा सरकार उक्त समस्या को कब तक हल कर लेगी ?

इस्पात तथा भारी इन्जीनियरिंग मंत्रालय में उप-मन्त्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी) : (क) अगस्त 1967 के दंगों से प्रभावित हुए मुस्लिम कर्मचारियों को अस्थाई तौर पर कम्पनी के दो होस्टलों में ठहराया गया था। तब से उनमें से काफी कर्मचारी कम्पनी के क्वार्टरों में चले गये हैं।

(ख) और (ग). यह एक नाजुक सामाजिक समस्या है जिनमें सभी सम्बन्धित लोगों के ऐच्छिक सहयोग की आवश्यकता है तथा इसमें कुछ और समय लगेगा। इस सम्बन्ध में भरसक प्रयत्न जारी है।

Accumulation of Stock of Coal at New Delhi Railway Sidings

56. SHRI P. K. DEO : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether there was an accumulation of large stock of coal at the Railway sidings in New Delhi recently ; and

(b) if so, the reasons therefor and the action, if any, taken in this regard ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI K. HANUMANTHAIYA) : (a) Yes, Sir.

(b) The releases and removals at New Delhi Mineral Siding were poor, and led to accumulation of stocks in the siding. With the assistance of Delhi Administration the accumulated stocks have since been cleared. The position now is almost normal.

Strike by Railway Employees at Dhanbad

57. SHRI P. K. DEO : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether there was a strike near Dhanbad of the Railway employees which completely paralysed the machinery for clearance of coal from the coal-beds ;

(b) whether some political parties were behind the strike ;

(c) whether a statement to this effect was made in New Delhi on 9th February, 1971 by the Chairman of the Railway Board ; and

(d) the basis of the Railway Board's Chairman's statement ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI K. HANUMANTHAIYA) : (a) There was a strike by a section of railway employees of Dhanbad Division from 3rd to 10th February, 1971.

(b) to (d). In a press statement on 9-2-71, the Chairman of the Railway Board stated that certain anti-national elements which put the interest of the country in the back-ground and have some other ideas about the present social order were behind the strike. This was on the basis of his own assessment.

Curtailment of Passenger Trains due to Coal Shortage on Western Railway

58. SHRI P. K. DEO : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether the Western Railway recently curtailed several hundred passenger trains owing to serious coal shortrge ;

(b) if so, the reasons of coal shortage with the Railways ; and

(c) the action, if any, taken for augmenting supply of coal for the Railways ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI K. HANUMANTHAIYA) : (a) and (b). 191 less important Branch line passenger and mixed trains were cancelled on the Western Railway in February, 1971 to conserve coal due to dislocation of coal supplies as a result of a sudden strike of Railway staff in Dhanbad Division of Eastern Railway from 2-2-1971 to 11-2-1971.

(c) Action was taken to keep up maximum supply of loco coal to Western Railway and other Railways from the outlying fields during the strike. Loading of loco coal from Bengal and Bihar fields was also resumed as soon as the strike was over.

लन्ढौरा रेलवे स्टेशन के रेलवे क्रासिंग पर ऊपरी पुल का निर्माण

59. **श्री मुल्की राज सैनी** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि लन्ढौरा रेलवे

स्टेशन, जिला सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) पर रेलवे लाइन को पार करते समय कई दुर्घटनाएं हुई हैं ;

(ख) क्या उपरोक्त दुर्घटनाओं को रोकने के विचार से सरकार का वहां पर ऊपरी पुल बनाने का विचार है ; और

(ग) यदि हां, तो निर्माण कार्य कब तक प्रारम्भ होगा।

रेलवे मन्त्री (श्री हनुमन्तैया) : (क) पिछले तीन वर्षों में 28-9-1968 को केवल एक दुर्घटना हुई जब एक भिखारिन अनधिकृत रूप से गाड़ी से उतरने के प्रयास में गिर गई।

(ख) और (ग). अभी इस स्टेशन पर ऊपरी पैदल पुल की व्यवस्था करने का प्रस्ताव नहीं है।

इस्पात का आयात तथा निर्यात मूल्य

60. **डा० लक्ष्मी नारायण पाण्डेय** : क्या इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विदेशों को निर्यात किए जाने वाले देशी इस्पात और विदेशों से आयात किए जाने वाले इस्पात के मूल्यों के बीच बड़ा अन्तर है यद्यपि इस्पात की किस्म एक ही है, और

(ख) यदि हां, तो इस्पात के निर्यात और आयात मूल्य क्या है ?

इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मन्त्रालय में उप-मंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी) (क) और (ख). चूंकि वास्तव में निर्यात की गई श्रेणियां का कोई अधिक मात्रा में आयात नहीं किया गया है अत: कोई सार्थक तुलना करना आसान नहीं है। आयात किये जाने वाले इस्पात के आयात मूल्य में भाड़ा भी शामिल होता है, जो अलग-अलग देशों में अलग अलग होता है। निर्यात से प्राप्त होने वाले कुछ जहाज तक निष्प्रभा औसत मूल्य तथा बाहर के कुछ देशों द्वारा मांगे गए तदनरूपी मूल्य लगभग नीचे सारणी में दिये गये हैं :—

अप्रैल-दिसम्बर 1970 की अवधि में वास्तविक निर्यात का औसत जहाज तक निष्प्रभार भारतीय निर्यात मूल्य

	(रुपये प्रति टन)
1. साधारण इस्पात के बिलेट	522
2. साधारण इस्पात के बार और राड	847
3. साधारण इस्पात के संरचनात्मक	1014
4. साधारण इस्पात की रेल की पटरी	664

संयुक्त संयंत्र समिति के अनुसार अप्रैल-दिसम्बर 1970 की अवधि में औसत विदेशी मूल्य

(रुपये प्रति टन)

	यू०के०	अमरीका	जापान	यूरोपीय सांझा बाजार
	(औसत घरेलू निर्माणी बाह्य मूल्य)			निर्माणी बाह्य औसत निर्यात मूल्य)
	1	2	3	4
साधारण इस्पात के बिलेट	686	868	—	558